DATE: PAGE:

धागों से वस्त्र निर्माण

(1) फेल्टिंग (felting)

इस विधि में छोटे-छोटे रेशों को ताप से प्रभावित करके तथा दबाव डालकर जमा दिया जाता है इस विधि से कुछ ऊनी वस्त्र नमदा कम्बल तथा पैड आदि बनाए जाते है।

(2) निटिंग (Knitting)

इस विधि में केवल एक ही धागे का प्रयोग होता है जिस प्रकार स्त्रियाँ घरों में स्वेटर बनाती है ठीक उसी ही प्रकार यह बनाई होती है

इस बुनाई का उदाहरण है बंडी, बनियान, मोजे आदि।

(3) ब्रेडिंग तथा लेस =

इस विधि में तीन या तीन से अधिक धागों को लेकर चोटी

इस विधि मे छोटे-छोटे रेशों को ताप से प्रभावित करके तथा दबाव डालकर जमा दिया जाता है इस विधि से कुछ ऊनी वस्त्र नमदा कम्बल तथा पर्दे आदि बनाए जाते है।

(2) निटिंग (Knitting)

इस विधि मे केवल एक ही धागे का प्रयोग होता है जिस प्रकार स्त्रियाँ घरों मे स्वेटर बनाती है ठीक उसी ही प्रकार यह बनाई होती है इस बुनाई का उदाहरण है बनी, बनियान, मोजे आदि।

(3) ब्रेडस तथा लेस =

इस विधि मे दो या तीन या तीन से अधिक धागों को लेकर चोटी की तरह बुनाई की जाती है इस विधि से सुंदर तथा आकर्षक वस्त्र बनते है।

Scanned with CamScanner

DATE: PAGE:

1) बुनाई (Weaving)

इस विधि से वस्त्र निर्माण की बहुत ही प्रचलित विधि है अधिकांश वस्त्रों के निर्माण इसी दोनों तरफ के धागों का प्रयोग किया जाता है

Scanned with CamScanner